MSW-007
MSW-008
MSW-009
MSW-017
MSWE-001
MSWE-002
MSWE-003
MSWE-007
MSW-010

समाज कार्य में स्नातकोत्तर उपाधि

(एम.एस.डब्ल्यू. द्वितीय वर्ष)

सत्रीय कार्य : 2023–2024

पाठ्यक्रम शीर्षक

एम.एस.डब्ल्यू–007	:	वैयक्तिक कार्य एवं परामर्शः व्यक्तियों के साथ कार्य करना
एम.एस.डब्ल्यू–008	:	सामाजिक समूह कार्य : समूहों के साथ कार्य करना
एम.एस.डब्ल्यू–009	:	सामुदायिक विकास के लिए समुदाय संगठन प्रबंधन
एम.एस.डब्ल्यू.–017	:	समाज कार्य के समकालीन तरीके और मूल्य
एम.एस.डब्ल्यू.ई.–001	:	एचआईवी/एड्स : कलंक, भेदभाव और रोकथाम
एम.एस.डब्ल्यू.ई.–002	:	महिला और बाल विकास
एम.एस.डब्ल्यू.ई.–003	:	आपदा प्रबंधन
एम.एस.डब्ल्यू.ई.–07	:	अंतर्राष्ट्रीय समाज कार्य
एम.एस.डब्ल्यू.–10	:	परोपकारी समाज कार्य का परिचय

अध्ययन केंद्र में सत्रीय कार्य जमा कराने की अन्तिम तारीखः
जुलाई, 2023 सत्र – मार्च 31, 2024
जनवरी, 2024 सत्र – सितम्बर 30, 2024

नोट : कृपया उन पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य लिखें जिन्हें आपने चुना है।

इग्नू जन-जन का विश्वविद्यालय
समाज कार्य विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विष्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110 068

प्रिय शिक्षार्थी,

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के एम.एस.डब्ल्यू. (द्वितीय वर्ष)कार्यक्रम में आपका स्वागत है। आपने समाज कार्य में स्नातकोत्तर होने के लिए यह कार्यक्रम एक उद्देश्य के साथ चुना है ताकि आप मानवजाति की सामाजिक दशाएं सुधार सकें। एम.एस.डब्ल्यू. कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए, कृपया निम्नलिखित बातों का पालन करें:

- अपना अध्ययन आरंभ करने से पहले कार्यक्रम दर्शिका को पढ़िए। इससे इग्नू के एम.एस.डब्ल्यू. अध्ययन करने के बारे में आपके अधिकतर संदेह दूर हो जाएंगे।
- आप अपने सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र में समय पर जमा कराएं।
- अपने अध्ययन केंद्र और क्षेत्रीय केंद्र के संपर्क में रहें।
- क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षण के लिए अध्ययन केंद्र में अपने क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक से मिलें।
- परीक्षा फार्म समय पर भरें।

सत्रीय कार्य एक खुली किताब है और हम इग्नू में प्रत्येक पाठ्यक्रम के समग्र ग्रेड की गणना करते समय सत्रीय कार्यों के लिए 30% भारित देते हैं। **सत्रीय कार्य हस्तलिखित और स्वहस्ताक्षरित होने चाहिए।** सत्रीय कार्य–प्रतिक्रिया का एक अच्छा सेट तैयार करने के लिए आप उन सभी अध्यायों को पढ़े जिनमें से सवाल तैयार किए गए हैं। आप अपने सहकर्मी, शैक्षिक परामर्शदाताओं और प्रोफेसरों के साथ चर्चा करें, जिन्होंने आपको पढ़ाया है। मसौदा तैयार करें, उस पर आवश्यक सुधार करें और तब अंतिम संस्करण अध्ययन केंद्र में प्रस्तुत करने के लिए तैयार करें।

हर सवाल का जवाब देने के लिए नया पृष्ठ शुरू करें। लंबे और मध्यम जवाब देने के लिए एक परिचय, मुख्य भाग के लिए एक उप–शीर्षक और एक निष्कर्ष हो। प्रत्येक अनुच्छेद के बीच एक लाईन छोड़ें। आपके जवाब विशिष्ट हों और आपके अपने शब्दों में हो, यह किताब की नकल ना हो। आपके उत्तर इग्नू के पठन सामग्री पर आधारित हों। सत्रीय कार्य आपके सत्रांत परीक्षा की तैयारी है, इसलिए इसे गंभीरतापूर्वक लें।

डॉ. सौम्या
(कार्यक्रम समन्वयक)

वैयक्तिक कार्य एवं परामर्शः व्यक्तियों के साथ कार्य करना
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–007
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) .परामर्श की प्रक्रिया में शामिल चरणों पर संक्षेप में चर्चा करें। 20

अथवा

वैयक्तिक कार्य के चार घटकों का उदाहरण सहित वर्णन करें। 20

2) सामाजिक वैयक्तिक कार्य प्रक्रिया के चरणों की संक्षेप में चर्चा करें। 20

अथवा

मदद करने की सहायक तकनीको की व्याख्या करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिएः

क) वैयक्तिक कार्य के उपकरणों के बारे में विस्तार से बताएं। 10

ख) परामर्श के लिए आवश्यक व्यावहारिक व्यवस्थाएँ क्या हैं? 10

ग) साक्षात्कार के दौरान वैयक्तिक कार्यकर्ता द्वारा उपयोग किए जाने वाले कौशल का वर्णन करें। 10

घ) वैयक्तिक कार्य अभ्यास में रिकॉर्डिंग के उद्देश्य पर चर्चा करें? 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिएः

क) संचार के प्रकारों पर चर्चा करें। 5

ख) वैयक्तिक कार्य रिकॉर्डिंग के प्रारूप का वर्णन करें। 5

ग) परामर्श में विभिन्न तकनीकें क्या हैं? 5

घ) गृह भ्रमण के सिद्धांतों की व्याख्या करें। 5

ङ) समस्या समाधान प्रक्रिया के चरण क्या हैं? 5

च) पर्यवेक्षण में नैतिक दुविधाओं पर चर्चा करें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (**100** शब्दों में) लिखिएः

क) मॉडलिंग 4

ख) भूमिका निभाना 4

ग) पर्यवेक्षण 4

घ) स्थानांतरण 4

ङ) वकालत 4

च) समूह कार्य 4

छ) व्यवहार तकनीक 4

ज) बाढ़ 4

सामाजिक समूह कार्य : समूहों के साथ कार्य करना
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–008
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) सामाजिक समूह कार्य क्या है? समूह निर्माण की प्रक्रिया पर चर्चा करें। 20

अथवा

प्रासंगिक उदाहरणों के साथ समूह नेतृत्व को प्रभावित करने वाले कारकों पर चर्चा करें? 20

2) समूह विकास के चरणों/पड़ावों का वर्णन करें। 20

अथवा

सामाजिक समूह कार्य के विभिन्न मॉडलों की व्याख्या करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिएः

क) अस्पताल सेटिंग में समूह कार्यकर्ता की भूमिका पर चर्चा करें। 10

ख) सामुदायिक सेटिंग में समूह कार्य की आवश्यकता को स्पष्ट करें। 10

ग) समूहों के प्रकारों का विस्तार से वर्णन करें। 10

घ) नशामुक्ति केंद्रों में समूह कार्य के महत्व पर चर्चा करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिएः

क) स्कूल सेटिंग में समूह कार्य के उद्देश्यों को सूचीबद्ध करें। 5

ख) समूह निर्माण के सिद्धांतों का उल्लेख करें। 5

ग) समूह विकास के विभिन्न संकेतक क्या हैं? 5

घ) समूह कार्य अभ्यास में पारस्परिक मॉडल के महत्व को स्पष्ट करें। 5

ङ) कार्यक्रम नियोजन की अवधारणा पर चर्चा करें? 5

च) समूह निर्माण की प्रक्रिया समझाइये। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (**100** शब्दों में) लिखिएः

क) कुदुम्बश्री 4

ख) द्विपक्षीयता की अवधारण 4

ग) समूह की गतिशीलता 4

घ) समूह बंधन 4

ङ) उपचारात्मक मॉडल 4

च) स्वयं सहायता समूह 4

छ) समूह रचना 4

ज) पारस्परिक प्रभाव 4

सामुदायिक विकास के लिए समुदाय संगठन प्रबंधन
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–009
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) भारत में समाज कल्याण प्रशासन के इतिहास का वर्णन करें। 20

अथवा

सामाजिक क्रिया के विभिन्न मॉडलों पर चर्चा करें। भारतीय संदर्भ में उदाहरण दीजिए। 20

2) सामुदायिक संगठन के मॉडल से आप क्या समझते हैं? भारतीय संदर्भ में उपयुक्त उदाहरणों की सहायता से सामुदायिक संगठन के जैक रोथमैन के मॉडल (1968) की विस्तार से चर्चा करें। 20

अथवा

यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका में सामुदायिक संगठन के विकास के प्रक्षेप पथ पर प्रकाश डालें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिए:

क) सूचना प्रौद्योगिकी के युग में समुदाय की बदलती अवधारणा और अर्थ को स्पष्ट करें। 10

ख) वेइल एंड गैंबल द्वारा दिए गए आठ उद्देश्यों की गणना करें जो सामुदायिक अभ्यास सहभागिता का आधार प्रदान करते हैं। 10

ग) उपयुक्त उदाहरणों के साथ शहरी समुदायों की विभिन्न विशेषताओं का वर्णन करें। 10

घ) समाज कार्य व्यवसायी के दृष्टिकोण से समुदाय को देखने की रूपरेखा पर चर्चा करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिए:

क) अब्राहम मैस्लो के आवश्यकता प्राथमिकता मॉडल का उदाहरण दीजिए। 5

ख) भारत में विभिन्न प्रकार के समाज कल्याण प्रशासन पर चर्चा करें। 5

ग) समस्या–समाधान पद्धति के रूप में सामुदायिक संगठन पर संक्षेप में विचार करें। 5

घ) सामुदायिक संगठन से जुड़े अंतर्निहित मूल्यों की व्याख्या करें। 5

ङ) ग्रामीण सामाजिक संरचनाओं की परिभाषित विशेषताएं क्या हैं? भारतीय संदर्भ में उपयुक्त उदाहरणों की सहायता से चर्चा करें। 5

च) भारत में झुग्गी बस्ती समुदाय की विशिष्ट विशेषताओं पर चर्चा करें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (**100** शब्दों में) लिखिए:

क) जेमिनशाट 4
ख) ग्रामीण द्वंद्व 4
ग) रिश्तेदारी 4
घ) सामाजिक क्रिया का गांधीवादी मॉडल 4
ङ) SWOC विश्लेषण 4
च) POSDCoRB 4
छ) लेन समिति रिपोर्ट (1939) 4
ज) विमुक्त जनजाति 4

समाज कार्य के समकालीन तरीके और मूल्य
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू.–017
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) वकालत को परिभाषित करें। क्षेत्र से उदाहरणों के साथ इसके उद्देश्य और रणनीतियों पर चर्चा करें। 20

अथवा

नेटवर्किंग के साथ सामाजिक वैयक्तिक कार्य के जुड़ाव पर चर्चा करें। 20

2) समाज कार्य की एक पद्धति के रूप में संसाधन जुटाने के बारे में लिखें। इसके तत्वों और तंत्रों की व्याख्या करें।20

अथवा

शक्ति आधारित अभ्यास के दर्शन और सिद्धांत पर चर्चा करें। इसके अनुप्रयोग को उदाहरणों की सहायता से समझाइये। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिएः

क) सामाजिक कार्य में नेटवर्किंग के दृष्टिकोण और मॉडल का वर्णन करें। 10

ख) उदाहरण सहित समाज कार्य के मूल्य के रूप में मानवीय संबंधों के मूल्य के महत्व का वर्णन करें।10

ग) जनहित याचिका को परिभाषित करें। इसकी प्रमुख विशेषताओं पर चर्चा करें। 10

घ) एक प्रभावी जन जागरूकता अभियान के लिए प्रमुख तत्वों को सूचीबद्ध करें और समझाएं? 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिएः

क) मानवीय गरिमा क्या है? 5

ख) समाज कार्य में जागरूकता अभियान को प्रभावित करने वाले कारकों को सूचीबद्ध करें। 5

ग) समाज कार्य अभ्यास में शिक्षकत्व के तत्वों को लिखिए। 5

घ) आप समाज कार्य में पेशे के प्रति निष्ठा कैसे विकसित कर सकते हैं? 5

ङ) किन्हीं चार कारकों के बारे में लिखें जिन्होंने भारत में जनहित याचिका के विकास में योगदान दिया है।5

च) समाज कार्य पेशे में सेवा के एक क्षेत्र के रूप में मानसिक स्वास्थ्य पर टिप्पणी करें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (**100** शब्दों में) लिखिएः

क) गोपनीयता 4

ख) समाज कार्य में योग्यता 4

ग) समाधान केंद्रित थेरेपी 4

घ) सहयोगात्मक मुकदमेबाजी 4

ङ) धन जुटाना 4

च) देशभक्ति 4

छ) सहानुभूति की प्रासंगिकता 4

ज) कड़ी मेहनत का मूल्य 4

एचआईवी/एड्स : कलंक, भेदभाव और रोकथाम
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू.ई.–001
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) .एड्स में ''एक महिला का चेहरा'' होता है। संयुक्त राष्ट्र के पूर्व महासचिव कोफी अन्नान द्वारा दिए गए उपरोक्त कथन के आलोक में, एचआईवी संक्रमण के प्रति संवेदनशीलता को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करने वाली लिंग भूमिकाओं और संबंधों पर चर्चा करें। 20

अथवा

एचआईवी/एड्स में सामाजिक कार्य हस्तक्षेप की आवश्यकता, महत्व और प्रासंगिकता पर चर्चा करें। 20

2) एचआईवी/एड्स से पीड़ित लोगों से संबंधित संवैधानिक प्रावधानों और अन्य संबंधित भारतीय कानूनों की व्याख्या करें। 20

अथवा

एचआईवी/एड्स की तुलना में परिवार, समुदाय और समाज में कलंक के विभिन्न रूप क्या हैं? विस्तार से व्याख्या करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिएः

क) वैश्विक संदर्भ में एचआईवी के प्रसार में योगदान देने वाले कारकों की व्याख्या करें। 10

ख) भारतीय परिवार प्रणाली के संदर्भ में एचआईवी के घरेलू स्तर पर प्रभाव को संक्षेप में समझाएं। 10

ग) उपयुक्त उदाहरणों के साथ एचआईवी /एड्स के संदर्भ में संचार की चुनौतियों का वर्णन करें। 10

घ) एचआईवी/एड्स) एचआईवी एड्स से जुड़े कलंक और भेदभाव के संबंध में स्वास्थ्य देखभाल और सामाजिक सेवा वितरण के निहितार्थों पर संक्षेप में चर्चा करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिएः

क) एचआईवी एड्स के इतिहास और उत्पत्ति पर चर्चा करें? 5

ख) एचआईवी परीक्षण में शामिल कानूनी मुद्दों पर चर्चा करें। 5

ग) एचआईवी के प्रति संवेदनशील बच्चों के विभिन्न समूहों को सूचीबद्ध करें। 5

घ) एचआईवी/एड्स परामर्श की प्रकृति और महत्व को संक्षेप में समझाएं। 5

ङ) एचआईवी/एड्स से पीड़ित बच्चे के अधिकारों पर चर्चा करें। 5

च) एचआईवी/एड्स के प्रसार को कम करने में मदद करने वाले विभिन्न कारकों पर चर्चा चर्चा करें।5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (**100** शब्दों में) लिखिएः

क) अँधेरे का दिल 4
ख) विंडो अवधि 4
ग) अवसरवादी संक्रमण 4
घ) आश्रम (Hospice) देखभाल 4
ङ) पोस्ट–एक्सपोजर प्रोफिलैक्सिस (पीईपी) 4
च) तर्कसंगत कार्रवाई का सिद्धांत 4
छ) एकीकृत परामर्श और परीक्षण (आईसीटीसी) 4
ज) जागरूकता, स्वीकृति और कार्रवाई मॉडल (एएएएम) 4

महिला और बाल विकास
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू.ई.–002
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) .जनसांख्यिकीय, सामाजिक और आर्थिक संकेतकों के संबंध में प्रारंभिक भारतीय समाज में महिलाओं की स्थिति पर चर्चा करें। 20

अथवा

स्वतंत्र-पूर्व भारत में महिलाओं की स्थिति का विश्लेषण करें। 20

2) अनौपचारिक क्षेत्रों में महिला श्रमिकों के सामने आने वाली समस्याओं का वर्णन करें। 20

अथवा

भारत में महिलाओं के विकास के लिए विभिन्न कार्यक्रमों पर प्रकाश डालिए। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिएः

क) भारतीय बच्चों की पोषण स्थिति पर चर्चा करें। 10

ख) उपयुक्त उदाहरणों के साथ बाल देखभाल व्यवस्था में सामाजिक कार्यकर्ताओं की भूमिका को संक्षेप में समझाएं। 10

ग) यौन कर्मियों के बच्चों द्वारा सामना की जाने वाली विभिन्न कठिनाइयों की व्याख्या करें 10

घ) बदलते संदर्भ में परिवार की अवधारणा और इसकी उभरती प्रवृत्तियों का वर्णन करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिएः

क) सड़कों पर रहने वाले बच्चों के लिए जिम्मेदार कारकों का उल्लेख करें। 5

ख) भारत में लिंग और स्वास्थ्य मुद्दे के बीच अंतर–संबंध क्या हैं? 5

ग) बच्चों पर प्राकृतिक आपदाओं के प्रभाव पर चर्चा करें। 5

घ) पालन–पोषण शैलियों से आप क्या समझते हैं? 5

ङ) बाल अधिकारों को बढ़ावा देने में यूनिसेफ और आईसीडीएस की भूमिका पर संक्षेप में चर्चा करें। 5

च) किशोरों के लिए समाजीकरण क्यों महत्वपूर्ण है? 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (**100** शब्दों में) लिखिएः

क) लिंग और जेंडर 4

ख) महिलाओं के खिलाफ हिंसा 4

ग) लिंग मुख्यधारा 4

घ) बाल श्रम के कारण 4

ङ) नारीवाद 4

च) केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण 4

छ) कूड़ा बीनने वाले 4

ज) समतावाद 4

आपदा प्रबंधन
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू.ई.–003
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) आपदाओं' को परिभाषित करें। आम तौर पर पाई जाने वाली आपदाओं के प्रकारों के बारे में लिखें। 20

अथवा

किसी आपदा के दौरान महिलाओं और पुरुषों की असुरक्षा के बारे में एक नोट लिखें। 20

2) भारत में राहत प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करें। 20

अथवा

आपदा पश्चात प्रबंधन से आप क्या समझते हैं? आपदा के बाद पुनर्प्राप्ति के सिद्धांतों और दृष्टिकोणों के बारे में लिखें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिए:

क) क्या 'भगदड़' को आपदा माना जा सकता है? भगदड़ के दौरान क्या करें और क्या न करें की सूची बनाएं। 10

ख) शमन क्या है? किन्हीं तीन शमन लक्ष्यों का उल्लेख करें? 10

ग) भारत के नागरिकों को स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं प्रदान करने की त्रिस्तरीय प्रणाली के बारे में लिखें। 10

घ) जैविक आपदाओं की व्याख्या करें। इसके कारण क्या हैं? 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिए:

क) आपदा तैयारी और शमन गतिविधियों में समुदायों को शामिल करने का औचित्य बताएं। 5

ख) 'मौसम संबंधी खतरे' क्या है? किन्हीं दो खतरों के बारे में लिखिए। 5

ग) संरचनात्मक और गैर–संरचनात्मक शमन के बीच अंतर करें। अस्पताल आपदा प्रबंधन योजना (HDMP) के बारे में एक नोट लिखें। 5

घ) समुदाय आधारित आपदा मनो–सामाजिक देखभाल में स्कूलों की भूमिका पर चर्चा करें। 5

ङ) आपदा क्रंच मॉडल पर एक संक्षिप्त नोट लिखें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (**100** शब्दों में) लिखिए:

क) सूखे के प्रकार 4

ख) लिंग आधारित हिंसा 4

ग) ICS 4

घ) खतरे की पहचान और जोखिम मूल्यांकन में शामिल कदम 4

ङ) जंगल की आग के प्रकार 4

च) उष्णकटिबंधीय चक्रवात के लिए चेतावनी प्रणाली के चार चरण 4

छ) आकस्मिक बाढ़ 4

ज) मीठे पानी के पारिस्थितिकी तंत्र द्वारा प्रदान की जाने वाली वस्तुएं और सेवाएं 4

अंतर्राष्ट्रीय समाज कार्य
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू.ई.–007
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) अंतर्राष्ट्रीय समाज कार्य के विभिन्न परिप्रेक्ष्यों का वर्णन करें। 20

अथवा

संस्कृति के मुद्दे पर समाज कार्य पेशेवर निकायों और समाज कार्य स्कूलों की प्रतिक्रिया पर चर्चा करें। 20

2) समाज कार्य और समाज कल्याण के विकास में ऐतिहासिक मील के पत्थर का पता लगाएं। 20

अथवा

एशिया में समाज कार्य अनुशासन के उद्भव और विकास का पर चर्चा करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिए:

क) दुनिया में समाज कार्य शिक्षा के उद्भव और विकास से संबंधित प्रमुख बहसों पर चर्चा करें। 10

ख) अंतर्राष्ट्रीय समाज कार्य कार्य से आप क्या समझते हैं? अंतर्राष्ट्रीय समाज कार्य की संकल्पना में प्रमुख चिंताओं का वर्णन करें। 10

ग) अंतर्राष्ट्रीय समाज कार्य शिक्षा की आवश्यकता पर प्रकाश डालिए। 10

घ) अफ्रीका और मध्य पूर्व में समाज कार्य के इतिहास का पता लगाएं। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिए:

क) उन कारणों की सूची बनाएं जिनके कारण विकसित देश विकासशील देशों को सहायता प्रदान करते हैं। 5

ख) WHO के कार्य क्या हैं? 5

ग) इजराइल में सामाजिक कार्य अनुशासन की वर्तमान स्थिति पर संक्षेप में चर्चा करें। 5

घ) संस्कृति की अवधारणा और इसके विभिन्न आयामों को संक्षेप में समझाइए। 5

ङ) अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक कार्यकर्ता कौन है? 5

च) कुछ प्रारंभिक शुरुआतों की सूची बनाएं जिनके कारण यूरोप में समाज कार्य पेशे का उदय हुआ। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (**100** शब्दों में) लिखिए:

क) अंतर्राष्ट्रीय समाज कार्य के लक्ष्य 4

ख) ICSW के लिए सदस्यता मानदंड 4

ग) न्यूजीलैंड में समाज कार्य शिक्षा की स्थिति 4

घ) ऑक्टेविया हिल 4

ङ) यूनिसेफ 4

च) अंतर्राष्ट्रीय संगठनों में सामाजिक कार्यकर्ताओं की भूमिका 4

छ) नीदरलैंड में समाज कार्य 4

ज) वैश्विक नियामक निकाय 4

परोपकारी समाज कार्य का परिचय

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू.–010
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1. समसामयिक परोपकारी समाज कार्य के लिए चुनौतियाँ पर चर्चा करें। 20

अथवा

NASW द्वारा प्रस्तावित आचार संहिता के उद्देश्य, मूल्यों, सिद्धांतों और मानकों की व्याख्या करें। 20

2. भारत में परोपकारी समाज कार्यों की उत्पत्ति पर चर्चा करें। 20

अथवा

परोपकार को बढ़ावा देने और विनियमित करने में राज्य की भूमिका की व्याख्या करें। 20 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिएः

क) भारत में CSR को लागू करने में चुनौतियों और अवसरों की व्याख्या करें। 10
ख) पेशेवर समाज कार्य अभ्यास में नैतिक दुविधाओं की प्रासंगिकता पर चर्चा करें। 10
ग) परोपकारी समाज कार्य में अपनी पसंद के किसी एक धर्म द्वारा किए गए योगदान का वर्णन करें। 10
घ) किसी संगठन द्वारा धन जुटाने की प्रक्रिया की व्याख्या करें। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिएः

क) विभिन्न प्रकार के नागरिक समाज समूहों की सूची बनाएं। 5
ख) परोपकारी समाज कार्य में मूल मूल्य क्या हैं? 5
ग) "स्थिरता परोपकारी समाज कार्यों की मुख्य चिंता है।"टिप्पणी करें। 5
घ) गांधीवादी परोपकार की व्याख्या करें। 5
ङ) समाज कार्य मूल्यों और नैतिकता को मजबूत करने में सामाजिक कार्यकर्ताओं की क्या भूमिका है? 5
च) 'संसाधनों का इष्टतम उपयोग' वाक्यांश से आप क्या समझते हैं? 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (**100** शब्दों में) लिखिएः

क) मानवाधिकार एवं कर्तव्य 4
ख) स्वैच्छिक संगठन 4
ग) दाता संगठन 4
घ) NASW आचार संहिता 4
ङ) दान 4
च) महिला और परोपकार 4
छ) FCRA 4
ज) कल्याणकारी अर्थशास्त्र 4